

4. अष्टांग योग में वर्णित विभिन्न आसन, जैसे भद्रासन, वज्रासन आदि 5. रति क्रिया की मुद्रा 6. बैठक 7. हाथी का कंधा 8. शत्रु पर आक्रमण न कर अवसर की प्रतीक्षा में अपनी जगह पर डटे रहना 9. फेंकना मुहा. आसन करना- योग की विभिन्न मुद्राएं; आसन जमाना- स्थिर भाव से बैठना; आसन डिगना या आसन डोलना- स्थिर न रह पाना, चित्त का चलायमान होना; आसन देना- सत्कारार्थ बैठने के लिए कोई वस्तु रखना; आसन लगाना- जमकर बैठना।

आसनगत वि. (तत्.) 1. आसन पर स्थित, आसीन, विराजमान 2. आसन संबंधी, आसन का।

आसना पुं. (तत्.) 1. आसन, छोटा बिछावन 2. बैठना 3. जीव 4. वृक्ष अ.क्रि. होना।

आसनास्थि स्त्री. (तत्.) [आसन+अस्थि] व्यक्ति की श्रोणि मेखला की अस्थि, श्रोणि मेखला की नीचे वाली पश्च हड्डी।

आसनी स्त्री. (तत्.) छोटा आसन, बिछौना।

आसन्न वि. (तत्.) 1. निकट आया हुआ, समीपस्थ 2. लगा, सटा हुआ।

आसन्न अधिकारी पुं. (तत्.) प्रशा. पदक्रम में वह निकटतम उच्च अधिकारी जिसे अधीनस्थ कर्मचारी सीधे अपना काम प्रस्तुत करता हो और जिसके प्रत्यक्ष अनुशासन में रहता हो।
immediate officer

आसन्नकाल वि. (तत्.) जिस की मृत्यु समीप आ गई हो पुं. मृत्यु समय

आसन्न कोण पुं. (तत्.) एक सरल रेखा पर खड़ी दूसरी सरल रेखा के दोनों ओर के कोण, इन दोनों कोणों का योग 180 होता है, संलग्न कोण।

आसन्न खतरा पुं. (तत्.) अतिशीघ्र आने वाली विपत्ति की आशंका पर्वा. आसन्न संकट।

आसन्न प्रसवा स्त्री. (तत्.) 1. कुछ ही दिनों में प्रसवित होने वाली 2. गर्भधारी महिला की वह

अवस्था, जब बच्चा शीघ्र ही जन्म लेने वाला हो।

आसन्नता स्त्री. (तत्.) 1. निकटता, सामीप्य, नजदीकी 2. संलग्नता।

आसन्नभूत वि. (तत्.) भूतकाल का वह भेद जिससे क्रिया की पूर्णता और भूत काल की निकटता ज्ञात होती है, बीता हुआ वह समय जिसे बीते हुए थोड़ा ही वक्त हुआ हो, जैसे वह अभी-अभी गया है।

आसन्नमृत्यु स्त्री. (तत्.) शीघ्र ही अंतिम साँस लेने वाला, मृत्यु के समीप, मौत के करीब।

आसपास वि. (देश.) 1. निकट 2. करीब 3. इधर-उधर 4. चारों ओर 5. अगल-बगल।

आसबंद पुं. (देश.) एक धागा जो पट्टों के पैर से बँधा रहता है। इसी तागे में जेवर को अटकाकर गूँथते हैं।

आसन्न संकट पुं. (तत्.) दे. आसन्न खतरा

आसमाँ दे. आसमान।

आसमान पुं. (फा.) 1. आकाश, गगन 2. स्वर्ग 3. देवलोक मुहा. आसमान ताकना- घमंड करना; आसमान पर उड़ना या आसमान पर चढ़ना- घमंड से इतराना; आसमान पर चढ़ना- अति प्रशंसा के द्वारा दिमाग खराब करना; आसमान पर थूकना- किसी दूसरे को तिरस्कृत करने के कारण स्वयं अपमानित होना; आसमान में थिगली करना- विकट कार्य करना; आसमान फटना- भारी विपत्ति का अचानक आ पड़ना, दैवी प्रकोप का पड़ना; आसमान में छेद होना- लगातार अतिवृष्टि होना, वर्षा का न थमना; आसमान सिर पर उठाना- उपद्रव मचाना; आसमान सिर पर टूटना- भारी विपत्ति का अचानक आ पड़ना; आसमान से बातें करना- बहुत शोर करना, कोलाहल मचाना, सभी संभव प्रयास न करना; आसमान से गिरना- किसी चीज का अपने-आप उपस्थित हो जाना, ऊँची स्थिति से नीचे जाना।